



ریاست نمبر: 15

40 Roohani Ilaj Ma Tibbi Ilaj (Hindi)



40 रुहानी इलाज मअ़ तिब्बी इलाज

शैखे तरीकत, अमीरे अहले سунنات, बानिये दा वते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलانا अबू बिलाल

मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरी २-ज़वी

دامت برکاتہم
اللہ تعالیٰ

الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ النَّبِيِّنَ اَمَّا بَعْدُ فَاعْزُمْ بِاللّٰهِ مِنَ الْعَيْنِ لِمَنِ اتَّهَمَنِي بِشَيْءٍ وَلِمَنِ اتَّهَمَنِي بِشَيْءٍ

किताब पढ़ने की दुआ

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई दुआ पढ़ लीजिये उन शाने ले उर्जा जल जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ ये है:

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَلَا شَرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْأَكْرَامِ

तरजमा : ऐ अल्लाह ! हम पर इल्मो हिक्मत के दरवाजे खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाजिल फरमा ! ऐ अ-ज़मत और बुजुर्गी वाले ।

(مسنطوف ج ٤ ص ٤٤ دار الفكري بروت)

(अब्बल आखिर एक बार दुरूद शारीफ पढ़ लीजिये ।)

गमे मदीना, बकीअू,
मापिकत और बे हिसाव
जनालुल फ़िरदास में आका
के पड़ेस का तालिब
13 शब्वालुल मुर्कम 1428 हि.

(40 रुहानी इलाज मअ़् तिब्बी इलाज)

ये हर रिसाला (40 रुहानी इलाज मअ़् तिब्बी इलाज)

शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरी र-ज़वी (دامت برَكَاتُهُمُ الْعَالِيَّةُ) ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाए़अ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ़ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबिता : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस,

अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात
MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَنِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

40 रुहानी इलाज

मअः तिष्ठी इलाज

दुर्लद शरीफ की फ़ज़ीलत

अल्लाह के प्यारे हबीब, हबीबे लबीब,
तबीबों के तबीब का صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का फ़रमाने रहमत
निशान है : जो मुझ पर शबे जुमुआ़ और रोज़े जुमुआ़
(यानी जुमा'रात के गुरुबे आफ़ताब से ले कर जुमुआ़ का
सूरज डूबने तक) सो बार दुर्लद शरीफ पढ़े अल्लाह तआला
उस की सो हाजतें पूरी फ़रमाएगा 70 आखिरत की और
30 दुन्या की ।

(شَعْبُ الْإِيمَانِ ج ٣ ص ١١١ حديث ٣٠٣٥)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

हर विर्द के अव्वल व आखिर एक बार दुर्लुप शरीफ़ पढ़ लीजिये, फ़ाएदा ज़ाहिर न होने की सूरत में शिकवा करने के बजाए अपनी कोताहियों की शामत तसव्वुर कीजिये, अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की हिक्मत पर नज़र रखिये ।

﴿1﴾ “**هُوَ اللَّهُ الرَّحِيمُ**” जो हर नमाज़ के बा’द सात बार पढ़ लिया करेगा إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ शैतान के शर से बचा रहेगा और उस का ईमान पर ख़ातिमा होगा ।

﴿2﴾ “**يَا اللَّهُ**” 100 बार सोते वक्त पढ़ने से إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ शयातीन की शरारत व फ़ालिज और लक़वे की आफ़त से हिफ़ाज़त होगी ।

﴿3﴾ “**يَا مَلِكُ**” 90 बार जो ग़रीब व नादार रोज़ाना पढ़ा करे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ गुरबत से नजात पाएगा ।

﴿4﴾ “يَا قُلْ وُسْ” का जो कोई दौराने सफर विर्द करता रहे इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ थकन से महफूज़ रहेगा ।

﴿5﴾ “يَا سَلَامُ” 111 बार पढ़ कर बीमार पर दम करने से इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ शिफ़ा हासिल होगी ।

﴿6﴾ “يَا مُهَبِّينُ” 29 बार जो कोई गमज़दा रोज़ाना पढ़ ले इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ उस का गम दूर हो नीज़ आफ़तों और बलाओं से भी महफूज़ रहे ।

﴿7﴾ “يَا عَزِيزُ” 41 बार हाकिम या अप्सर वगैरा के पास जाने से क़ब्ल पढ़ लीजिये इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ वोह हाकिम या अप्सर मेहरबान हो जाएगा ।

﴿8﴾ “يَا مُشَكِّرُ” 21 बार रोज़ाना पढ़ लीजिये, डरावने ख्वाब आते होंगे तो इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ नहीं आएंगे ।

(मुद्दते इलाज : ता हुसूले शिफ़ा)

﴿9﴾ “يَا مُتَكَبِّرُ” जौजा से “मिलाप” से क़ब्ल 10

बार पढ़ लेने वाला إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ नेक बेटे का बाप बनेगा ।

﴿10﴾ “يَا بَارِئُ” 10 बार जो कोई हर जुमुआ़ को पढ़

लिया करे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ उस को बेटा अ़त़ा होगा ।

﴿11﴾ “يَا قَهَّارُ” 100 बार अगर कोई मुसीबत आ

पड़े तो पढ़िये إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ मुश्किल आसान होगी ।

﴿12﴾ “يَا وَهَابُ” सात बार जो रोज़ाना पढ़ा करेगा

إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ मुस्तजाबुद्दा’वात होगा (या’नी उस की दुआएं

क़बूल हुवा करेंगी)

﴿13﴾ “يَا فَتَّاحُ” 70 बार जो रोज़ाना बा’द नमाजे

फ़ज्ज दोनों हाथ सीने पर रख कर पढ़ा करेगा إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

उस के दिल का ज़ंग व मैल दूर होगा ।

﴿14﴾ “يَا فَتَّاحُ” सात बार जो रोज़ाना (किसी भी वक्त दिन में एक मर्तबा) पढ़ा करेगा إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ उस का दिल रोशन होगा ।

﴿15﴾ “يَا قَابِضُ، يَا بَاسِطُ” 30 बार जो हर रोज़ पढ़ा करे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ वोह दुश्मन पर फ़त्ह पाएगा ।
 ﴿16﴾ “يَا رَافِعُ” 20 बार जो रोज़ाना पढ़ा करेगा إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ उस की मुराद पूरी होगी ।

﴿17﴾ “يَا بَصِيرُ” सात बार जो कोई रोज़ाना ब वक्ते अःस्स (या’नी इब्तिदाए वक्ते अःस्स ता गुरुबे आफ़ताब किसी भी वक्त) पढ़ लिया करेगा إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ अचानक मौत से

महफूज़ रहेगा ।

﴿18﴾ “يَا سَيِّعٌ” 100 बार जो रोज़ाना पढ़े और इस दौरान गुफ्त-गून करे और पढ़ कर दुआ मांगे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ जो मांगेगा पाएगा ।

﴿19﴾ “يَا حَكِيمٌ” 80 बार जो रोज़ाना पांचों नमाज़ों के बाद पढ़ लिया करे, إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ किसी का मोहताज न हो ।

﴿20﴾ “يَا جَلِيلُ” दस बार पढ़ कर जो अपने मालो अस्बाब और रक्म वगैरा पर दम कर दे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ चोरी से महफूज रहेगा ।

﴿21﴾ “يَا شَهِيدُ” 21 बार, सुब्ध (तुलूए आफ़ताब से पहले पहले) ना फ़रमान बच्चे या बच्ची की पेशानी पर हाथ रख

कर आस्मान की तरफ़ मुंह कर के जो पढ़े **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ**

उस का वोह बच्चा या बच्ची नेक बने ।

﴿22﴾ **”يَا وَكِيلُ“** सात बार जो रोज़ाना अःस्र के वक्त
पढ़ लिया करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** आफ़तों से पनाह पाए ।

﴿23﴾ **”يَا حَمِيدُ“** 90 बार, जिस की गन्दी बातों की
आदत न जाती हो वोह पढ़ कर किसी ख़ाली पियाले या
गिलास में दम कर दे । हस्बे ज़रूरत उसी में पानी पिया करे
إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ फ़ोहूश गोई (या'नी बे ह़याई की बातों) की
आदत निकल जाएगी । (एक बार का दम किया हुवा गिलास
बरसों तक चला सकते हैं)

﴿24﴾ **”يَا مُحْصِنُ“** एक हज़ार बार, जो कोई हर शबे

जुमुआ (या'नी जुमा'रात व जुमुआ की दरमियानी शब) पढ़ लिया करे इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ कब्र व कियामत के अंजाब से महफूज हो ।

﴿25﴾ “يَامْحِيٌّ” 7 बार पढ़ कर अपने ऊपर दम कर लीजिये, गेस हो या पेट या किसी भी जगह दर्द हो या किसी उँच के ज़ाएअ़ हो जाने का खौफ हो इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ फ़ाएदा होगा । (मुह्ते इलाजः ताहुसूले शिफ़ा, रोज़ाना कम अज़ कम एकबार)

﴿26﴾ “يَامْحِيٌّ، يَامْبِيْتُ” सात बार रोज़ाना पढ़ कर अपने ऊपर दम कर लिया कीजिये इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ जादू असर नहीं करेगा ।

﴿27﴾ “يَا وَاجِدُ” जो कोई खाना खाते वक्त हर निवाले पर पढ़ा करेगा इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ वोह खाना उस के पेट में नूर होगा और बीमारी दूर होगी ।

﴿28﴾ “يَا مَاجِدٌ” 10 बार पढ़ कर शरबत वगैरा पर दम कर के जो पी लिया करे इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ (सख्त) बीमार न होगा ।

﴿29﴾ “يَا وَاحِدٌ” एक हज़ार एक बार, जिस को अकेले में डर लगता हो, तन्हाई में पढ़ ले इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ उस के दिल से खौफ़ जाता रहेगा ।

﴿30﴾ “يَا قَادِرٌ” जो वुजू के दौरान हर तऱ्ब धोते हुए पढ़ने का मा'मूल बना ले इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ दुश्मन उस को इग्वा नहीं कर सकेगा ।

﴿31﴾ “يَا قَادِرٌ” 41 बार, मुश्किल आ पड़े तो पढ़ लीजिये इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ आसानी हो जाएगी ।

﴿32﴾ “يَا مُقْتَدِرٌ” 20 बार, जो रोज़ाना पढ़ लिया

करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** रहमतों के साए में रहेगा ।

﴿33﴾ “**يَا مُقْتَدِرُ**” 20 बार, जो नींद से बेदार हो कर पढ़ लिया करेगा उस के हर काम में मददे इलाही शामिल रहेगी ।

﴿34﴾ “**يَا أَوَّلُ**” 100 बार, जो रोज़ाना पढ़ लिया करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** उस की ज़ौजा उस से महब्बत करेगी ।

﴿35﴾ “**يَا مَانِعُ، يَا مُعْطِي**” 20 बार, बीवी नाराज़ हो तो शोहर और अगर शोहर नाराज़ हो तो बीवी सोने से क़ब्ल बिछोने पर बैठ कर पढ़े **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** सुल्ह हो जाएगी ।

(मुद्दतः ता हुसूले मुराद)

﴿36﴾ “**يَا ظَاهِرُ**” घर की दीवार पर लिख लीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** दीवार सलामत रहेगी ।

﴿37﴾ “يَارَعُوفُ” जो किसी मज़्लूम का किसी ज़ालिम से पीछा छुड़ाना चाहे, 10 बार पढ़े फिर उस ज़ालिम से बात करे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ वोह ज़ालिम उस की सिफ़ारिश क़बूल कर लेगा ।

﴿38﴾ “يَاغَنِيٌّ” रीढ़ की हड्डी, घुटनों, जोड़ों या जिस्म में कहीं भी दर्द हो, चलते फिरते उठते बैठते पढ़ते रहिये إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ दर्द जाता रहेगा ।

﴿39﴾ “يَامُغْنِيٌّ” एक बार पढ़ कर हाथों पर दम कर के दर्द की जगह पर मलने से إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ सुकून मिलेगा ।

﴿40﴾ “يَانَافِعُ” 20 बार, जो कोई काम शुरूअ़ करने से क़ब्ल पढ़ ले إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ वोह काम उस की मरज़ी के मुताबिक़ पूरा होगा ।

15 तिब्बी इलाज

﴿1, 2﴾ बाल लम्बे करने के दो नुस्खे

❖ 250 ग्राम आम्ला, 125 ग्राम सिकाकाई

और 125 ग्राम मेथी दाने पीस कर मह़फूज़ कर लीजिये ।
 दो चम्च छेंडे ज़रूरत पानी में रात को भिगो दीजिये,
 सुब्ज़ छान कर सर धो लीजिये, हफ्ते में एक बार येह अमल
 कीजिये, ﴿اَنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ﴾ बाल गिरना बन्द होंगे और बाल
 लम्बे होने भी शुरूअ़ हो जाएंगे ❖ आम्ले का सुफूफ़
 (पाउडर) बनवा लीजिये, हेंडे ज़रूरत पाउडर में पानी
 मिला कर गाढ़ा सा लेप बना लीजिये, फिर उसे तमाम
 बालों की जड़ों में लगा कर कुछ देर बा'द सर धो लीजिये ।

﴿3﴾ दांतों के दर्द और सूजन का तिब्बी इलाज

मसूढ़ों में सूजन हो, खून या पीप निकलता हो तो थोड़ा सा गर्म पानी ले कर उस में थोड़ी सी फिट्करी डाल दीजिये, फिट्करी हल हो जाने के बाद वोह पानी दांतों और मसूढ़ों पर मलिये, اِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ काफ़ी फ़ाएदा होगा।

﴿4, 5﴾ शूगर का तिब्बी इलाज

﴿4﴾ बड़ी इलायची के अन्दर से दाने निकाल कर रोज़ाना सुब्ह व शाम पांच पांच दाने चबा लिया करें, اِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ जल्द शिफ़ा हासिल होगी
 ﴿5﴾ आम्ला, जामुन के बीज और करेलों के बीज येह तीनों चीजें हम वज्न ले कर उन का सुफूफ़ (पाउडर) बना लीजिये, ज़ियाबीतुस (DIABETES) की उम्दा दवा तय्यार है, इस सुफूफ़ की एक छोटी चम्मच

दिन में एक या दो बार लेना मरज़ बढ़ने से रोकता है।

﴿6﴾ माहवारी के दर्द का तिब्बी इलाज

जिस को माहवारी (M.C.) के दिनों में पेट और कमर वगैरा में दर्द होता हो, नाफ़ में तेल लगा लिया करे, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

﴿7,8﴾ दस्त (लूज़ मोशन) के 2 तिब्बी इलाज

﴿ آधी चम्मच चाय की पत्ती पानी से फांक लीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** दस्त ख़त्म हो जाएंगे। छोटे बच्चों को एक चुटकी चाय की पत्ती पानी से देना ही काफ़ी है, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** उन को भी फ़ाएदा हो जाएगा ﴿ सब्ज़ पोदीना धूप में सुखा कर, पीस कर उस का पाउडर किसी बोतल में मह़फूज़ कर लीजिये। अगर कभी दस्त (लूज़ मोशन) लग

जाएं तो सुब्हो शाम आधा चम्मच पानी से इस्त'माल कीजिये إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ मे'दे में ठन्डक हो जाएगी और शिफ़ा हासिल होगी ।

﴿9﴾ नक्सीर बन्द करने का तिब्बी इलाज

लीमूं का रस कपड़े में छान कर ड्रॉपर से नाक में क़तरा क़तरा डालिये, إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ खून बन्द हो जाएगा ।

﴿10﴾ नाक बन्द होने का तिब्बी इलाज

रात को नाक बन्द हो जाए और सांस लेने में रुकावट आती हो तो नीम के थोड़े से ताजे पत्ते साफ़ कर के इन को पानी में चूल्हे पर जोश दे कर खाने का नमक हळ कर के क़ाबिले बरदाश्त हो जाने पर उस पानी से नाक धोइये और दिन में दो बार इसी से ग़रारे कीजिये, إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ नाक खुल जाएगी ।

﴿11, 12﴾ हिचकी के दो चुटकुले

❖ काग़ज़ की थेली या प्लास्टिक का शोपर मुंह और नाक पर चढ़ा कर हाथों से इस त़रह दबा कर रखिये कि नाक और मुंह की सांस की हवा बाहर न निकलने पाए, उसी शोपर के अन्दर सांस लीजिये, ﴿إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ﴾ एक दो मिनट के अन्दर अन्दर हिचकी बन्द हो जाएगी ❖ एक छोटी इलायची अच्छी त़रह चबा कर निगल लीजिये और फ़ौरन ठन्डे पानी का एक गिलास पी लीजिये, ﴿إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ﴾ हिचकी बन्द हो जाएगी ।

﴿13 ता 15﴾ मुंह की बदबू के तीन तिब्बी इलाज

❖ कच्ची प्याज़ और कच्चा लहसन खाने से मुंह में बदबू हो जाती है, अदरक का टुकड़ा ख़ूब चबा कर खा लीजिये, इसी त़रह अज्वाइन या, गुड़ या सौंफ़ या

चन्द छोटी इलायचियां खूब चबा कर निगल लीजिये, इन شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ बदबू ख़त्म हो जाएगी नीम के 12 पत्ते एक गिलास पानी में अच्छी तरह उबाल कर छान लीजिये, पानी की गरमी कुछ कम होने पर इस से ग़रारे कीजिये, ये ह जरासीम कुश है, इस के बा क़ाइदा इस्ति'माल से मुंह का अन्दरूनी हिस्सा साफ़ होता और मुंह की बदबू दूर हो जाती है। नीम गर्म पानी में नमक मिला कर ग़रारे कीजिये, नमक में पाए जाने वाले अ़नासिर मुर्दा ख़लियों को निकाल कर मुंह की बदबू दूर करते हैं।

ये ह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़र्मी की तक़्रीबात, इज्जिमाआत, आ'रास और जुलूसे मीलाद कगैरा में मक-त-बतुल मदीना के शाए़अ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक़्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब निय्यते सवाब तोहफे में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल बनाइये, अ़ख़्बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने मह़ल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अ़दद सुन्तां भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और खूब सवाब कमाइये।

ग़मे मदीना, बक़ीअ,
मग़िरत और बे हिसाब
जनतुल फिरदौस में आक़
के पड़ोस का तालिब



17 र-जबुल मुरज्जब 1435 सि.हि.

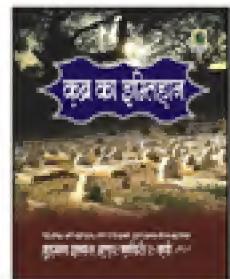
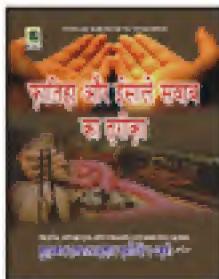
05-05-2014

सुन्नत की बहारें

الحمد لله رب العالمين والصلوة والسلام على سيد المرسلين الذي أبعد فاعود بالذئب الشيطان الرجيم شهادته الرحمن الرحيم

तब्लीغे कुरआनो सुन्नत की आलमगीर गैर सियासी तहरीक दा 'बते इस्लामी के महके महके म-दनी माहोल में ब कसरत सुन्नतों सीखी और सिखाई जाती है, हर जुमा' रात इशा की नमाज़ के बा'द आप के शहर में होने वाले दा 'बते इस्लामी के हफ्तावार सुन्नतों भरे इन्जिमाअू में रिजाए इलाही के लिये अच्छी अच्छी नियतों के साथ सारी रात गुजारने की म-दनी इलितजा है। अशिकाने रसूल के म-दनी क़ाफिलों में ब नियते सवाब सुन्नतों की तरविध्यत के लिये सफर और रोजाना फ़िले मदीना के जरीए म-दनी इन्नामात का रिसाला पुर कर के हर म-दनी माह के इब्लिदाई दस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहां के ज़िम्मेदार को जम्म करवाने का मा'मूल बना लीजिये، اللہ مرحوم! इस की ब-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफूत करने और ईमान की हिफ़ाज़त के लिये कुदूने का जेहन बनेगा।

हर इस्लामी भाई अपना ये ह जेहन बनाए कि "मुझे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश करनी है।" अपनी इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी इन्नामात" पर अमल और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी क़ाफिलों" में सफर करना है।



मक-त-सातुल मारीना®
दा 'बते इस्लामी

फैजाने मदीना, त्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरजापुर, अहमदाबाद-1, गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net